MASA-06

December – Examination 2020

M.A. (Final) Examination

नाटक तथा नाट्यशास्त्र

Paper : MASA-06

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) भवभूति कृत प्रकरण का नाम लिखिए।

   (ii) उत्तररामचरितम् के आधार पर जम्भकास्त्र क्या है ?

   (iii) भरतमुनि के अनुसार नाट्यधर्मी एवं लोकधर्मी में क्या अन्तर है ?

(iv) कायिक तथा वाचिक अभिनय में क्या अन्तर है ?

(v) नाट्यशास्त्र में कुल कितने अध्याय हैं ?

(vi) विस्मय किस रस का स्थायी भाव है ?

(vii) नृत्य एवं नृत्त में क्या अन्तर है ?

(viii) पंच अर्थप्रकृतियों का नामोल्लेख कीजिए।

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** कारिका की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) एको रसः करुण एव निमित्तभेदा-

द्विन्न पृथक्पृगिवाश्रयते विवर्तान्

आवर्तबुद्बुदतङ्गयान्विकारा

नम्भो यथा सलिलमेव हि तत्समग्रम॥

अथवा

(ब) पादाग्रस्थितया मुहुः स्तनभरेणानीतया नम्रतां

शंभोः सस्पृहलोचनत्रयपथं यान्त्या तदाराधने।

ह्रीमत्या शिरसीहितः सपुलकस्वेदोद्गमोत्कम्पया

विश्लिष्यन्कुसुमाञ्जलिर्गिरिजया क्षिप्तोऽन्तर पातु वः॥

3. उत्तररामचरितम् नाटक के तृतीय अंक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

4. दशरूपकम् के आधार पर नायक के आठ गुणों पर प्रकाश डालिए।

5. ''उत्तररामचरितं तु भवभूतिर्विशिष्यते'' इस पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

6. ध्वनि पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

7. नाट्यशास्त्र के अनुसार शृंगार रस पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

8. नाट्यशास्त्र के अनुसार धीरप्रशान्त नायक पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

9. कैशिकी वृत्ति को संक्षेप में समझाइये।